

माना जा सके जैसे- भूकंप, सुनामी, बाढ़ इत्यादि, दैवी घटना।

दैवगति स्त्री. (तत्.) 1. भाग्य की गति, भाग्य का उलट-फेर 2. दैवी घटना (अच्छी या बुरी) 3. भाग्य, प्रारब्ध।

दैवज्ञ वि./पुं. (तत्.) भाग्य जानने वाला, भविष्य जानने वाला, ज्योतिषी, ज्योतिर्विद्।

दैवत वि. (तत्.) देवता से संबंधित पुं. 1. देवता, इष्ट देवता 2. देवताओं का विशिष्ट समूह 3. देवमूर्ति।

दैवदुर्विपाक पुं. (तत्.) भाग्य की खराबी, भाग्य का रूठ जाना, भाग्यदोष, दुर्भाग्य।

दैवदोष पुं. (तत्.) दे. दैवदुर्विपाक।

दैवयोग पुं. (तत्.) 1. बिना किसी कारण के अकस्मात् हुई घटना 2. संयोग, ईश्वरीय घटना, इत्तिफाक।

दैववश पुं. (तत्.) भाग्य का बल, ईश्वरीय बल क्रि.वि. ईश्वर की इच्छानुसार, भाग्य से।

दैववादी पुं. (तत्.) 1 भाग्य के भरोसे रहने वाला 2. आलसी, अकर्मण्य विनो. पुरुषार्थवादी।

दैव विवाह पुं. (तत्.) किसी बड़े यज्ञ के समय यजमान या यज्ञकर्ता द्वारा उसी यज्ञ के किसी पुरोहित के साथ करवाया गया अपनी कन्या का विवाह, शास्त्रोक्त आठ प्रकार के विवाहों में से एक।

दैवात् क्रि.वि. (तत्.) 1. भाग्य से, भाग्यवशात्, दैवयोग से, विधिवशात् 2. अकस्मात्।

दैवाधीन वि. (तत्.) जो भाग्य के अधीन हो अर्थात् जो अपने वश में न हो, ईश्वरेच्छाधीन।

दैवायत्त पुं. (तत्.) दे. दैवाधीन।

दैविक वि. (तत्.) 1. देवताओं से संबंधित 2. देवताओं के लिए किया जाने वाला 3. देवताओं के द्वारा किया जाने वाला, दैवकृत।

दैवी वि. (तत्.) 1. देवताओं से संबंधित 2. भाग्य से संबंधित 3. प्रकृति से संबंधित 4. दिव्य 5. आकस्मिक 6. दैवज्ञ, ज्योतिषी।

दैवी अधिकार पुं. (तत्.) 1. ईश्वर द्वारा प्रदत्त अधिकार 2. ईश्वर का अधिकार धर्म. यह भाव कि राजा को राज्य करने का अधिकार स्वयं ईश्वर को दिया हुआ है।

दैवी गति स्त्री. (तत्.) ईश्वरीय प्रेरणा, भाग्य का फेर दे. गति।

दैवी नियम पुं. (तत्.) 1. राज. यह भाव कि राजा जो भी करता है ईश्वर की आज्ञा से ही करता है 2. स्मृतियों के अनुसार दिव्य का विधान, जिसके अनुसार ईश्वर पापी को दंड दे देता है तथा निरपराध को क्षमा कर देता है जैसे- सीता की अग्निपरीक्षा में दैवी नियम से सीता नहीं जली 3. धर्म. ईश्वर द्वारा बनाए गए नियम जिनका उपदेश पैगंबर करते हैं 4. यह नियम कि अच्छा या बुरा कर्म करने वाले को उसका फल अवश्य मिलता है।

दैवी प्रकोप पुं. (तत्.) महामारी, बाढ़, भीषण आग आदि जैसी आकस्मिक घटना जिसपर मानव का कोई वश नहीं होता और जो प्राकृतिक कारणों या ईश्वर के क्रोध के परिणामस्वरूप होती है।

दैवी संकट पुं. (तत्.) 1. देवी आपदा या विपदा 2. दे. दैवी प्रकोप।

दैवी समाधान पुं. (तत्.) दर्श. कथा नाटक आदि में प्रयुक्त वह युक्ति जिसके अनुसार किसी समस्या का समाधान किसी प्राकृतिक घटना आदि से हो जाता है जैसे- धीवर से प्राप्त अँगूठी से दुष्यंत को शकुंतला की याद आ गई।

दैवोपहत वि. (तत्.) भाग्यद्वारा सताया हुआ, अभाग।

दैशिक वि. (तत्.) दे. देशिक।

दैहिक वि. (तत्.) देह से संबंधित, देह का, शारीरिक।

दैहिक स्वतंत्रता स्त्री. (तत्.) विधि. मानव का वह अधिकार जिसके अनुसार वह अपने शरीर का यथेच्छ उपयोग कर सकता है, जब तक कि उसका वह कृत्य किसी विधि के विरुद्ध न हो।